UGC Care Listed Journal

ISSN-0976-5425

मराठवाडा इतिहास परिषद, औरंगाबाद

(छत्रपती संभाजीनगर)

History Research Journal

Issue - XXXI

इतिहास संशोधन पत्रिका

अंक बत्तीस

UGC Care Listed Journal

मराठवाडा इतिहास परिषद,
औरंगाबाद
(रजि.नं. एफ ८२० / दि. २६.०८.१९८२)

ISSN : 0976 – 5425

History Research Journal

इतिहास संशोधन पत्रिका

Issue. – XXXI **September**
अंक – बत्तीस **2024**

कार्यकारी संपादक

डॉ. सोमनाथ रोडे

: संपादकीय मंडळ :

डॉ. जाकेर पठाण
प्रा. विजय पांडे
डॉ. सुभाष बेंजलवार
डॉ. नारायण सूर्यवंशी
डॉ. प्रभाकर मिरकड
डॉ. विनोद बोरसे
डॉ. बब्रुवान मोरे

या अंकात व्यक्त केलेली विचार-मते ही मराठवाडा इतिहास परिषद, औरंगाबाद अथवा संपादक किंवा संपादक मंडळ यांची अधिकृत मते नाहीत. त्यांच्याशी ते सहमत असतीलच असे नाही.

UGC Care Listed Journal

History Research Journal

इतिहास संशोधन पत्रिका

Issue. – XXXI **September**

अंक – बत्तीस **2024**

ISSN : 0976 – 5425

☼ **प्रकाशक :**

प्रा. विजय पांडे

सचिव, मराठवाडा इतिहास परिषद

श्री संत सावता माळी महाविद्यालय, फुलंब्री

जि. औरंगाबाद भ्रमणध्वनी - ९४२२७ २३२७७

☼ **मराठवाडा इतिहास परिषद, औरंगाबाद**

☼ **संपर्क :**

प्राचार्य डॉ. सोमनाथ रोडे

कार्यकारी संपादक

४ - शारदानगर, अंबाजोगाई रोड, लातूर

पीन : ४१३ ५३१ फोन : ०२३८२ - २२८०९०.

भ्रमणध्वनी : ९४२१४ ८३६११, ७५१७९ ८५६९०

☼ **मुखपृष्ठ छायाचित्रे -** शिवप्रसाद डिझायनर्स, लातूर

☼ **मूल्य : रु. २००/-**

पंचवार्षिक वर्गणी रु. १,०००/-

दशवार्षिक वर्गणी रु. २,०००/-

☼ **प्रकाशन दि. ०१ मे २०२३**

☼ **अक्षर जुळवणी व मुद्रक :**

विद्याभारती प्रकाशन

गुजराती शाळेजवळ, मेन रोड,

लातूर - ४१३ ५१२

The publication of the MSS/ Journals/Proceedings- financially supported by the Indian Council of Historical Research and the responsibility for the facts, stated, options expressed and conclusion researched is entirely that of the author/ authors of the articles and the Indian Council of Historical Research accepts no responsibility for them.

CONTENTS

S.No.	Title	Page No.
1.	A Study on Event Management in Sports: Challenges and Opportunities in India Mr. Warghade Janardhan Bhau*, Mr. Harshal Ulhas Padwal**	1-6
2.	Execution of Yoga Exercises during Corona Pandemic Dr. Nitin Namdeo Gangurde	7-14
3.	Suryanamaskar's Impact on Some Fitness Metrics among Nagpur City's Stay-At-Home Population Dr. Nitin N. Jangitwar*, Dr. Ashlesha D. Ingole**	15-21
4.	Significant Impact of Yoga on Mental Health: Benefits and Wellness Dr. Prashant Bambal	22-28
5.	Exercise Bike Training Programme’s Effects on Cardiovascular Endurance, Leg Strength and Fat Reduction Dr. Rajani*, Dr. Aniket Anil**	29-40
6.	THE INTERFACE BETWEEN INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS AND SPORTS: THE INDIAN PERSPECTIVE Dr. Saba V. M. Da Silva	41-49
7.	Classification of Human Fall and Sit Motions based on UWB RADAR Thottempudi Pardhu	50-73

8. आधुनिक पुस्तकालय में ज्ञान का विस्तार 74-78

डॉ.धनकुमार महिलाँग

9. विशिष्ट कृषि पुस्तकालय में ई–संसाधन कार्यान्वयन की चुनौतियाँ और अवसर का विश्लेषणात्मक अध्ययन 79-93

राम प्रसाद कुर्रे, , डॉ. कल्पना चंद्राकर,

विशिष्ट कृषि पुस्तकालय में ई–संसाधन कार्यान्वयन की चुनौतियाँ और अवसर का विश्लेषणात्मक अध्ययन

राम प्रसाद कुर्रे,
शोधार्थी, ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़
Email: kurreram@gmail.com

डॉ. कल्पना चंद्राकर
शोध निर्देशक एवं विभागाध्यक्ष, ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़
Email: drkalpana@matsuniversity.ac.in

सारांश

यह शोध–पत्र इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय पुस्तकालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदान की गई ई–संसाधन पर किए गए अध्ययन का परिणाम हैं यह कार्य पुस्तकालय की ई–संसाधन पर केंद्रित है और आईजीकेवी के छात्र ई–संसाधन की उपलब्धता और उपयोगिता के आधार पर निष्कर्ष निकाला गया है, सीडी रॉम में सीएबीआई, एग्रीकोला, एजीआरआईएस जैसे डेटाबेस, विज्ञान प्रत्यक्ष जैसे विभिन्न डेटाबेस तक पहुंच, कृषि में ई–संसाधनों के लिए कंसोरटियम (सीईआरए) डॉक्टरेट थीसिस रिपोजिटरी कृषिप्रभा। पुस्तकालय में प्रकाशनों का एक अलग विभाग है जो डिजिटलीकरण की परियोजनाएं चलाता है, जो कि कृषि से संबंधित कई साहित्य प्रकाशित करता है । यह पुस्तकालय सोल एवं लीबसीस जैसे सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित है तथा अपने उपयोगकर्ताओं को संतुष्ट करने में ऊंचाइयों को प्राप्त करने की इसकी उच्च दृष्टिकोण है।

मुख्य सांकेतिक कुंजी शब्दः ई–संसाधन, कृषि ई–संसाधन, कम्प्यूटरीकृत संसाधान, ऑनलाइन सेवाए, डेटाबेस, सॉफ्टवेयर

परिचय

पंडित जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्यप्रदेश से अलग होकर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ की स्थापना राज्य की अधिनियम के अंतर्गत 20 जनवरी 1987 को अस्तित्व में आया। इस विश्वविद्यालय का नामकरण तत्कालिन प्रधानमंत्री स्व. श्रीमति इंदिरा गांधी के नाम पर किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि एवं संबंधित विज्ञानों के क्षेत्र में शिक्षा की व्यवस्था करना और शोध कार्यो में विशेष तौर पर कृषि तथा संबंधित विज्ञानों में विकास करना है, इस हेतु निरन्तर कार्यक्रमों तथा सूचना और तकनीक के स्थानान्तरण कार्य के द्वारा ऐसे उद्देश्यों की पूर्ति करना जिनका लक्ष्य ग्रामीण व्यक्तियों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर को सुधारना है।

छत्तीसगढ राज्य के निर्माण के पश्चात् पुष्प के उत्पादन के विकास पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है और ऐसी उपज ली जा रही जो क्षेत्र के तापमान और वातावरण के अनुरुप उपजायी जा सके।

नेहरू पुस्तकालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय है। इसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा मध्य भारत के क्षेत्रीय पुस्तकालय के रूप में मान्यता दी गई है। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के संकायों और छात्रों की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करना है, साथ ही विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों की जरूरतों को पूरा करना है। जिन संस्थानों को नेहरू पुस्तकालय द्वारा सेवा प्रदान करने की आवश्यकता है, उनका उल्लेख नीचे किया गया है–

- एस.ए.कॉलेज ऑफ डेयरी टेक्नोलॉजी, रायपुर
- कृषि अभियांत्रिकी संकाय, रायपुर
- पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा, दुर्ग
- टीसीबी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर ऑफ रिसर्च स्टेशन, बिलासपुर
- एसजी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर ऑफ रिसर्च स्टेशन, जगदलपुर
- आरएमडी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, अंबिकापुर
- एसके कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर ऑफ रिसर्च स्टेशन, कबीरधाम
- कॉलेज ऑफ फेशरीज, कबीरधाम
- बीआरएसएम कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मुंगली, बिलासपुर
- उद्यानिकी महाविद्यालय, राजनांदगांव

कम्प्यूटरीकृत संसाधान

पुस्तकालय केंद्रीकृत स्वचालित सुविधाओं के साथ–साथ एक लैन के माध्यम से जुड़ा हुआ है। पुस्तकालय नवीनतम् संचार माध्यमों और वेब–आधारित सूचना जैसी सूचना प्रौद्योगिकी से सुसज्जित है। सीडी–रोम डेटाबेस और इंटरनेट ब्राउज का उपयोग करते हैं। यह बीएसएनएल लीज्ड लाइन से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है तथा पुस्तकालय विभिन्न कंसोर्टियम का सदस्य है जो अपने उपयोगकर्ताओं को ई–संसाधन तक पहुंच प्रदान करता है।

इंटरनेट कनेक्टिविटीः लैन बीएसएनएल/समर्पित लीज लाइन, इंटरनेट ब्राउजिंग

ऑनलाइन जर्नलः 2000 से अधिक वैज्ञानिक अनुसंधान जर्नल ऑनलाइन उपलब्ध हैं–

- स्प्रिंगर स्प्रिंगर–वर्लेग को जोड़ता है, इसके माध्यम से, उपयोगकर्ता 70 पूर्ण–पाठ पत्रिकाओं तक पहुंच सकते हैं।
- वार्षिक समीक्षाः वार्षिक समीक्षा 22 केंद्रित विषयों में एक आधिकारिक, विश्लेषणात्मक समीक्षा है।

- सीएसआईआरओः ऑस्ट्रेलेशिया कॉमनवेथ वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन 8 पत्रिकाएँ
- इंडियन जर्नल.कॉम 131 पत्रिकाएँ
- टेलर एंड फ्रांसिस लिमिटेड, 1079 पत्रिकाएँ
- ऑक्सफोर्ड जर्नलः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 30 जर्नल
- अमेरिकन सोसायटी ऑफ एग्रोनॉमी, 8 पत्रिकाएँ
- एल्सेवियर साइंसः 358 पत्रिकाएँ
- कृषिप्रभाः डॉक्टरेट थीसिस रिपॉजिटरीः 100,000 से अधिक ऑनलाइन पूर्ण–पाठ थीसिस उपलब्ध हैं।
- सार सेवाएंः सीडी रॉम डेटाबेस सीएबीआई, एग्रीस, एग्रीकोला, सीआरओपी सीडी, सोल सीडी होर्ट सीडी, पीआई. गेन सीडी, वेट सीडी, एगेकोन सीडी और पीएल. प्रोटेक्शन सीडी डेटा बेस 1972 पर आधारित
- ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी)
- बार–कोड–आधारित सर्कुलेशन
- ऑनलाइन लाइब्रेरी की जानकारी
- ई–संसाधन संघ (सीईआरए)

ई–प्रकाशन

- छत्तीसगढ़ खेती (इलेक्ट्रॉनिक संस्करण)
- लाइब्रेरी एक नजर में

डाटा विश्लेषण

प्रस्तुत शोध–पत्र में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) के केंद्रीय पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं में से विद्यार्थी तथा शिक्षकों से प्रश्नावली के माध्यम से प्राथमिक आंकड़े एकत्रित किये गये हैं। केंद्रीय पूस्तकालय के उपयोगकर्ताओं को कुल 120 प्रश्नावली वितरित की गई जिसमें से विद्यार्थीयों से 76 प्रश्नावली प्राप्त हुई तथा शिक्षकों से 08 प्रश्नावली प्राप्त हुई। इस प्रकार इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) में निदर्शन के आधार पर 120 प्रश्नावली वितरित की गई, जिसमें 84 प्रश्नावली 70 प्रतिशत प्राप्त हुई, प्राप्त प्रश्नावली से प्राथमिक आंकड़ों को एकत्रितकरण, संग्रहण, व्यवस्थापन एवं विश्लेषण उपयुक्त सांख्यिकीय विधि तथा तालिका द्वारा किया गया है।

ई–संसाधन :– इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के केंद्रीय पुस्तकालय के ई–संसाधन संगह के प्रकार एवं कुल ई–संसाधन संग्रह को तालिका कमांक 1 में देखा जा सकता है–

तालिका क्रमांक 1: ई–संसाधन के प्रकार

सरल क्रमांक	ई–संसाधन के प्रकार	कुल संग्रह
1	सी. डी. एवं ई–पुस्तक	567
2	सी. डी. रोम डाटाबेस	10
3	वि.वि. प्रकाशन और आईसीएआर संस्थान की इलेक्ट्रॉनिक रूप में सीडी	250
4	आईजीकेवी में आयोजित सम्मेलन की कार्यवाही इलेक्ट्रॉनिक रूप में	8
5	इलेक्ट्रॉनिक रूप में डॉ. रिचर्डिया के युग का महत्वपूर्ण साहित्य	10

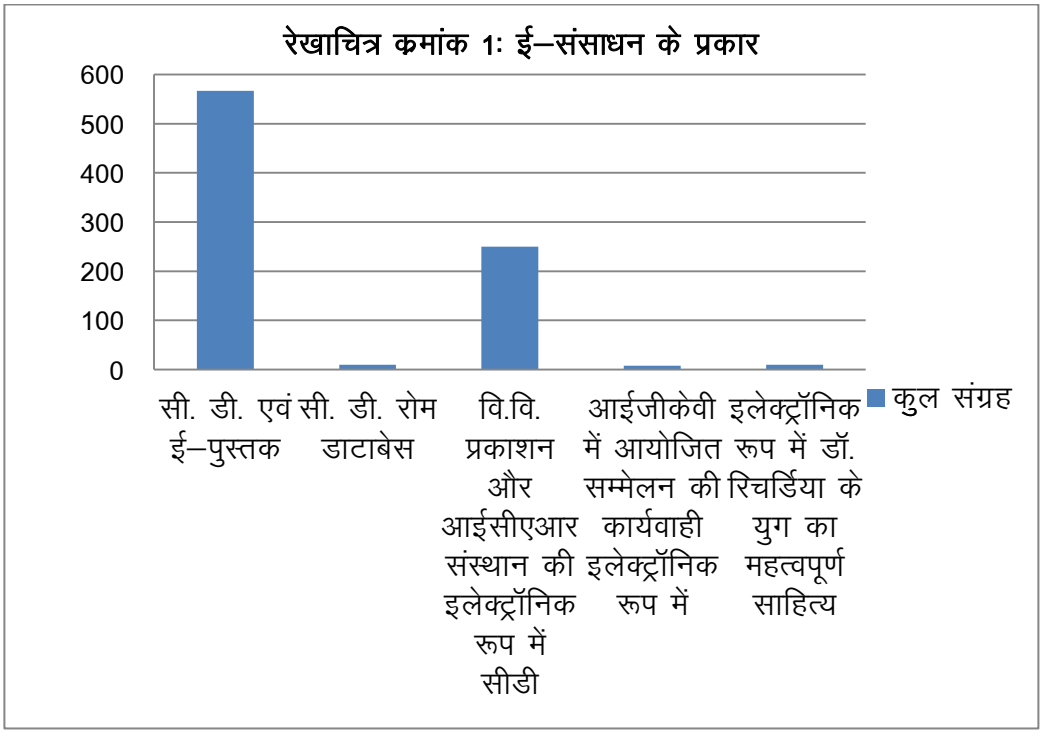

श्रेणी :– पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर सर्वेक्षण में भाग लेने वाले विद्यार्थी तथा शिक्षकों की श्रेणी को तालिका क्रमांक 2 में देखा जा सकता है–

तालिका क्रमांक 2: सर्वेक्षण में भाग लेने वाले

सरल क्रमांक	श्रेणियाँ	योग	प्रतिशत	योग	प्रतिशत

1	विद्यार्थी	स्नातक	62	73.8	76	90.47
		स्नातकोत्तर	8	9.52		
		अनुसंधान विद्वान	6	7.14		
2	शिक्षक	व्याख्याता	3	3.57	8	9.52
		प्राध्यापक	2	2.38		
		वरिष्ठ प्राध्यापक	3	3.57		
योग			**84**	**100**	**84**	**100**

उपरोक्त सांख्यिकीय तालिका क्रमांक 2 के अनुसार, सर्वेक्षण में भाग लेने वाले विद्यार्थीयों कुल संख्या 76 (90,47 प्रतिशत) है, और शिक्षकों की कुल संख्या 8 (9.52 प्रतिशत) है।

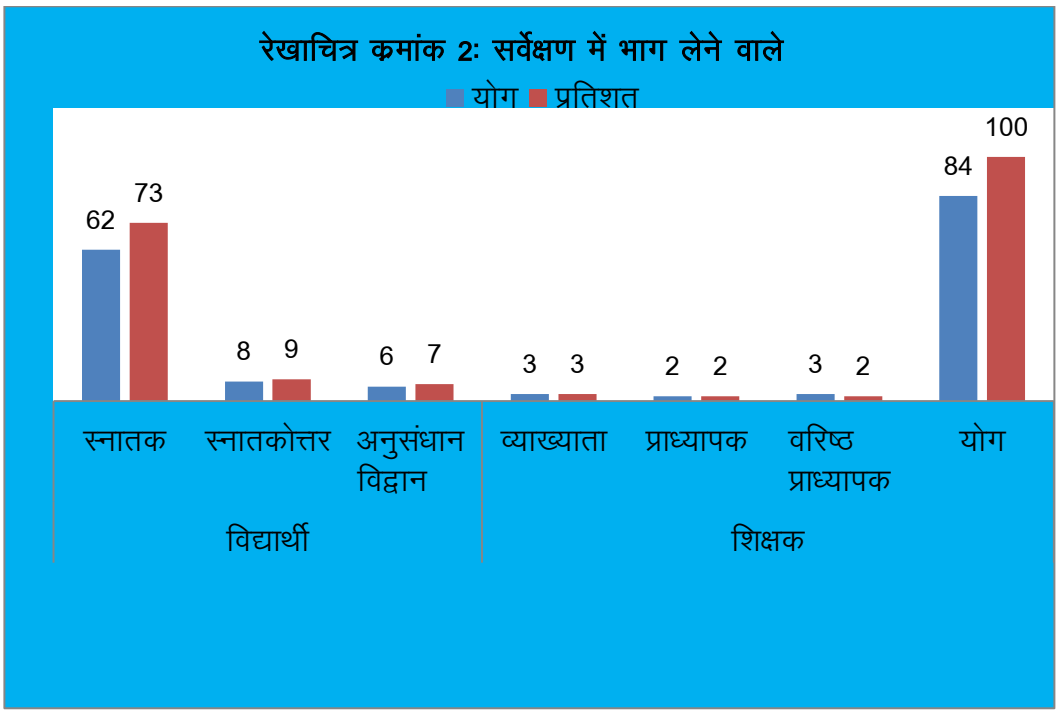

कम्प्यूटरीकृत सेवाओं का उपयोगः– पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली कई सेवाएँ कंप्यूटर–आधारित हैं, जिसे तालिका क्रमांक 3 में देखा जा सकता है–

तालिका क्रमांक 3: कम्प्यूटरीकृत सेवा का उपयोग

सरल	कम्प्यूटरीकृत	विद्यार्थी	शिक्षक	योग	प्रतिशत

क्रमांक	सूचना सेवा	उपयोगकर्ता	प्रतिशत	उपयोगकर्ता	प्रतिशत		
1	इंटरनेट सेवा	34	36.55	6	15.38	40	30.30
2	सीडी रॉम डेटाबेस सेवा	26	27.97	6	15.38	13	9.48
3	ऑनलाइन सार्वजनिक एक्सेस कैटलॉग	7	7.52	6	15.38	13	9.48
4	मल्टीमीडिया सेवा	2	2.15	1	2.56	3	2.27
5	संदर्भ सेवा	10	10.75	8	20.51	18	13.63
6	वर्तमान जागरूकता सेवा (सीएएस)	5	1.07	4	10.56	9	6.81
7	सेवा प्रसार सेवा (एसडीआई)	1	5.37	1	2.56	2	1.51
8	अंतर पुस्तकालय ऋण सेवा	3	3.22	1	2.56	4	3.03
9	ऑडियो वीडियो मैरियल (सीडी/डीवीडी)	1	1.07	5	12.82	6	4.54
10	अन्य	4	4.30	1	2.56	5	3.78
योग		**93**	**100**	**39**	**100**	**132**	**100**

उपरोक्त सांख्यिकीय तालिका क्रमांक 3 के अनुसार, कम्प्युटरीकृत सूचना सेवा में विद्यार्थी सबसे अधिक इंटरनेट सेवा 34 (36.55 प्रतिशत) का उपयोग तथा सबसे कम चयनात्मक सूचना सेवा, ऑडियों मटेरियल (सी.डी/डी. वी डी.) 01 (1.07 प्रतिशत) का उपयोग करते हैं। शिक्षक सबसे अधिक संदर्भ सेवा 8 (20.51 प्रतिशत) का उपयोग तथा सबसे कम मल्टीमीडिया सेवा, चयनात्मक सूचना प्रसार सेवा, अन्तः पुस्तकालय सेवा एवं सेवा 01 (2.56 प्रतिशत) का उपयोग करते है।

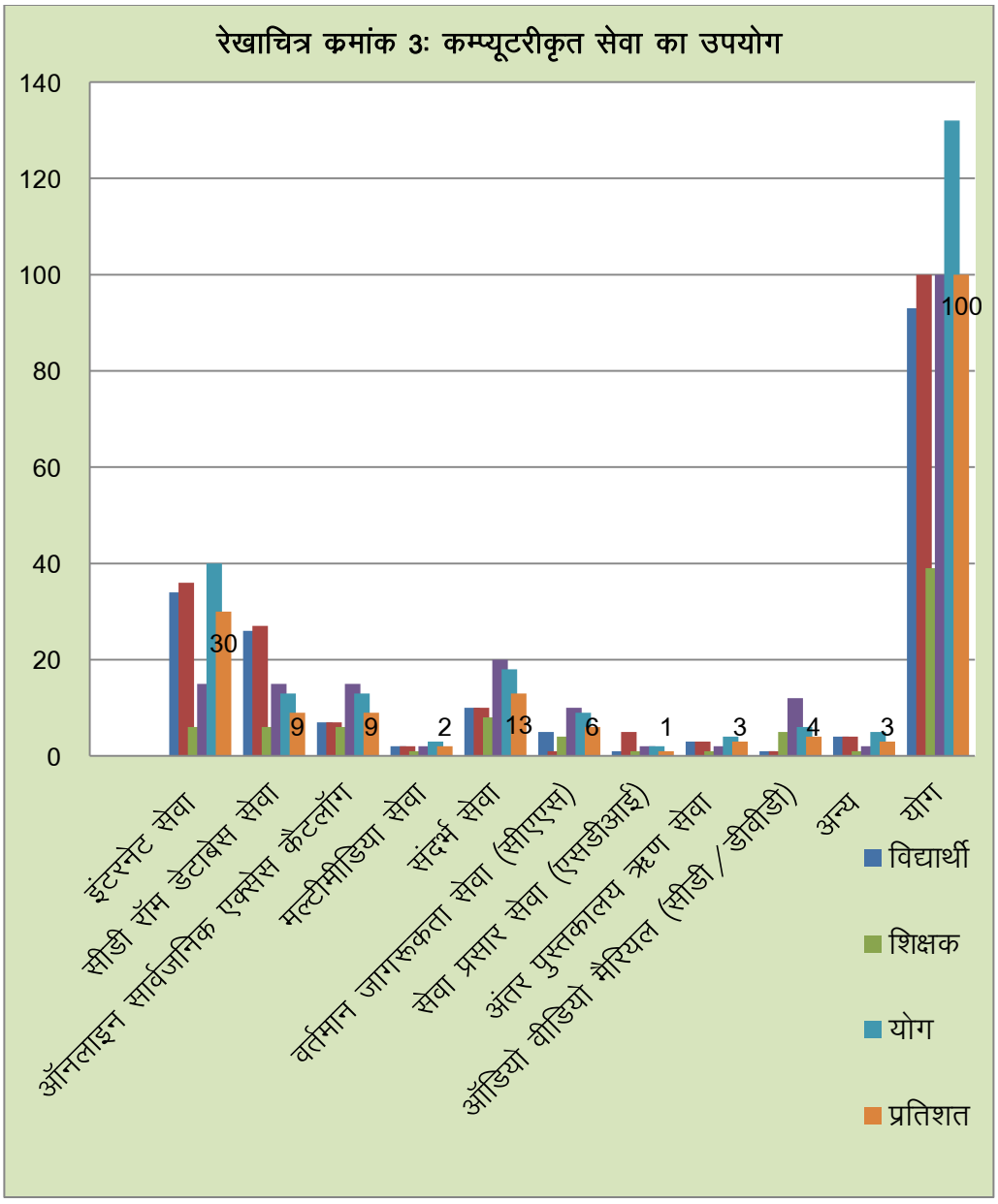

इलेक्ट्रॉनिक संग्रह का उपयोग :– पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर विद्यार्थी तथा शिक्षकों से इलेक्ट्रानिक संसाधनों के उपयोग को तालिका कमांक 4 में देखा जा सकता है :–

तालिका कमांक 4: इलेक्ट्रॉनिक संग्रह का उपयोग

सरल	इलेक्ट्रॉनिक संग्रह	विद्यार्थी	शिक्षक	योग	प्रतिशत

क्रमांक		उपयोग कर्ता	प्रति शत	उपयोग कर्ता	प्रति शत		
1	ई–बुक	10	14.92	4	13.79	14	14.58
2	ई–पत्रिका	4	5.97	2	6.89	6	6.25
3	ई–निबंध	3	4.76	0	0.00	3	3.12
4	ई–थीसिस	8	11.96	6	10.34	11	11.45
5	ई–शोध रिपोर्ट	7	10.44	5	17.24	12	12.50
6	ई–मानचित्र	5	7.46	2	6.89	7	7.29
7	ई–अखबार	8	11.94	3	10.34	11	11.45
8	ई–शब्दकोश	5	7.46	1	3.44	6	6.25
9	ई–इनसाइक्लोपीडिया	4	5.97	0	0.00	4	4.16
10	ई–निर्देशिका	4	5.97	1	3.44	5	5.20
11	अन्य	0	0.00	0	0.00	0	0.00
योग		**67**	**100**	**29**	**100**	**96**	**100**

उपरोक्त सांख्यिकीय तालिका क्रमांक 4 दर्शाती है कि छात्रों के बीच ई–पुस्तकों का उपयोग सबसे अधिक है और छात्रों द्वारा ई–शोध प्रबंध का उपयोग सबसे कम किया जाता है। संकाय ई–थीसिस का सबसे अधिक उपयोग करते हैं, और ई–शोध प्रबंध और ई–इनसाइक्लोपीडिया संकायों में सबसे कम उपयोग किया जाता है।

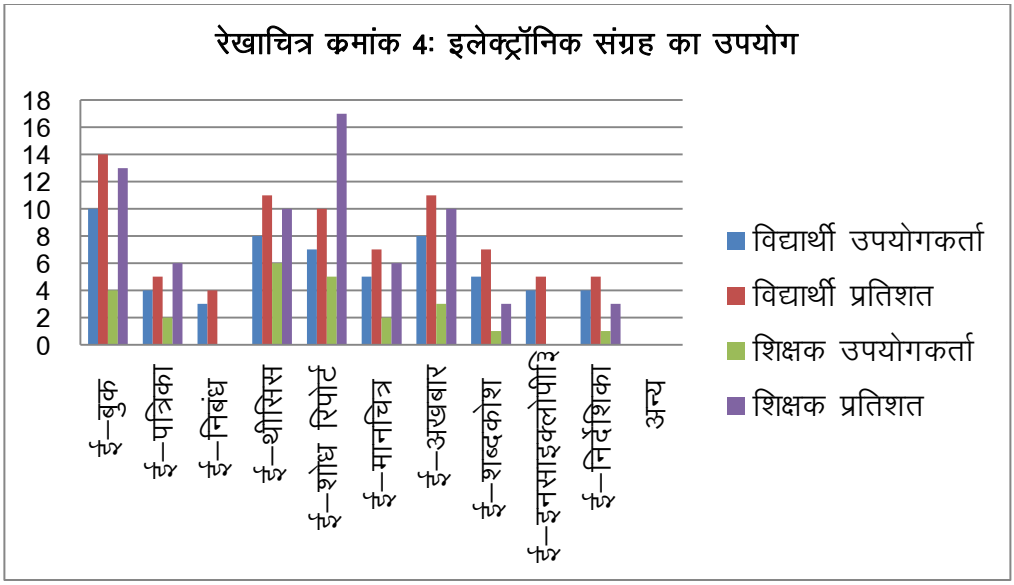

इलेक्ट्रॉनिक संग्रह के उपयोग से उद्देश्य :– पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर विद्यार्थी तथा शिक्षकों के इलेक्ट्रॉनिक संग्रह के उपयोग से उद्देश्य को तालिका कमांक 5 में देखा जा सकता है :–

तालिका कमांक 5: इलेक्ट्रॉनिक संग्रह के उपयोग से उद्देश्य

सरल कमांक	उद्देश्य	विद्यार्थी		शिक्षक		योग	प्रतिशत
		उपयोगकर्ता	प्रतिशत	उपयोगकर्ता	प्रतिशत		
1	समय का सदुपयोग करना	38	30.15	5	21.73	43	28.85
2	कम समय में अधिक सूचना का अध्ययन करना	45	35.71	8	34.78	53	35.57
3	अधिक उपयोग	26	20.63	5	21.73	31	20.80
4	कम खर्चीला	16	12.69	4	17.39	20	13.42
5	अन्य	1	0.79	1	4.34	2	1.34
योग		**67**	**100**	**29**	**100**	**96**	**100**

उपरोक्त सांख्यिकीय तालिका कमांक 5 के अनुसार, इलेक्ट्रानिक संसाधनों के उपयोग से विद्यार्थी का उच्चतम् उद्देश्य कम समय में अधिक सूचना का अध्ययन करना 45 (30.15 प्रतिशत) है तथा न्यूनतम् कम खर्चीला 16 (20.69 प्रतिशत) है।

शिक्षक उच्चतम् उद्देश्य कम समय में अधिक सूचना का अध्ययन 08 (34.78 प्रतिशत) है तथा न्यूनतम् उद्देश्य कम खर्चीला 04 (17.39 प्रतिशत) है।

तालिका क्रमांक 8: इलेक्ट्रॉनिक संग्रह के उपयोग से उद्देश्य

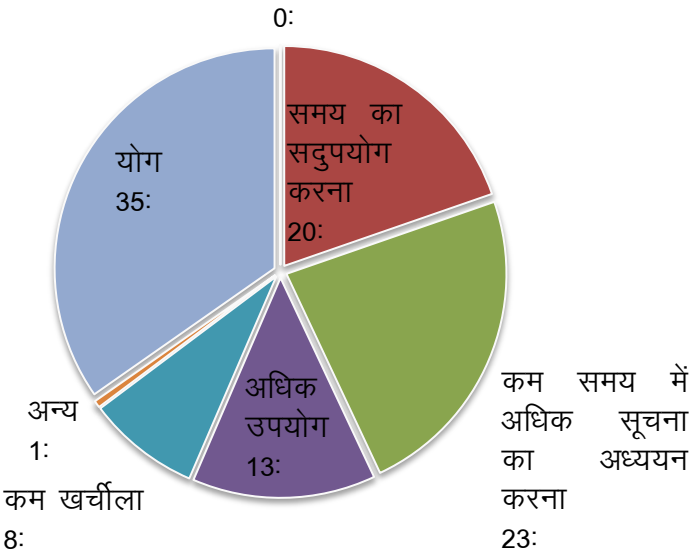

इलेक्ट्रानिक संसाधन के उपयोग से संतुष्ट :– पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर विद्यार्थी तथा शिक्षकों के इलेक्ट्रानिक संसाधनों के उपयोग की संतुष्टि को तालिका क्रमांक 6 में देखा जा सकता है :–

तालिका क्रमांक 6: इलेक्ट्रानिक संसाधन के उपयोग से संतुष्ट

सरल क्रमांक	उपयोगकर्ता संतुष्टि	विद्यार्थी		शिक्षक		योग	प्रतिशत
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत		
1	संतुष्ट नहीं	8	12.30	2	22.22	10	13.57
2	सबसे कम संतुष्ट	9	13.84	0	0.00	9	12.16
3	संतुष्ट	19	29.23	3	33.33	22	29.72
4	सर्वाधिक संतुष्ट	4	6.15	2	22.22	6	8.10
5	औसत	25	38.46	2	22.22	27	36.78
योग		**65**	**100**	**9**	**100**	**74**	**100**

उपरोक्त सांख्यिकीय तालिका क्रमांक 6 के अनुसार, इलेक्ट्रानिक संसाधनों के उपयोग से विद्यार्थी का उच्चतम् औसत 25 (38.46 प्रतिशत) संतुष्ट है तथा न्यूनतम् अधिक कम संतुष्ट 04 (6.15 प्रतिशत) है शिक्षक संतुष्ट 03 (33.33 प्रतिशत) है तथा न्यूनतम् में कम संतुष्ट 00 (00 प्रतिशत) है।

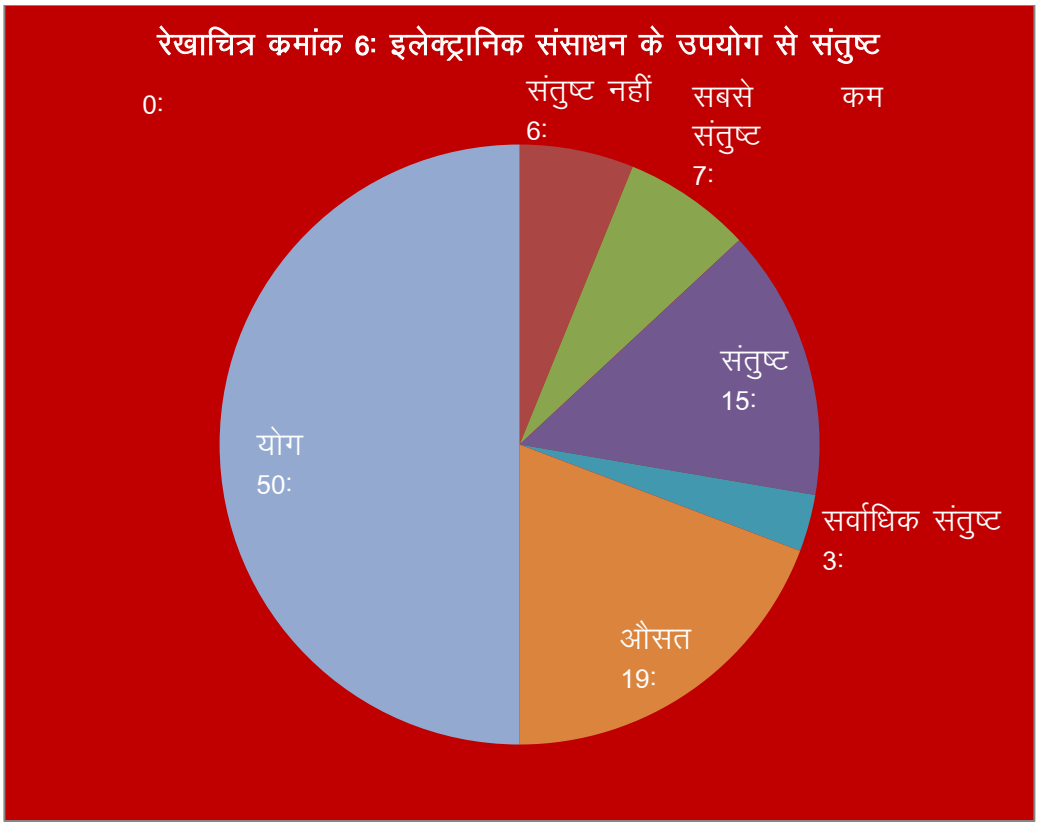

ई–संसाधन से संतुष्ट :– पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर विद्यार्थी तथा शिक्षकों के ई–संसाधन से संतुष्टि को तालिका कमांक 7 में देखा जा सकता है :–

तालिका कमांक 7: ई–संसाधन से संतुष्ट

सरल कमांक	संतुष्ट	विद्यार्थी		शिक्षक		योग	प्रतिशत
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत		
1	हां	46	69.69	8	100	54	72.97
2	नहीं	20	30.30	0	0	20	27.02
योग		**66**	**100**	**8**	**100**	**74**	**100**

उपरोक्त प्रस्तुत सांख्यिकीय तालिका कमांक 7 के अनुसार, ई–संसाधन से कुल संतुष्ट 74 विद्यार्थी समुह में योग 66 है जिसमें अधिक हां 46 (69.69 प्रतिशत) है तथा कम नहीं 20 (30.30 प्रतिशत) है शिक्षक समुह में कुल योग 08 है जिसमें अधिक हां 08 (100 प्रतिशत) है तथा नहीं 00 (00 प्रतिशत) है।

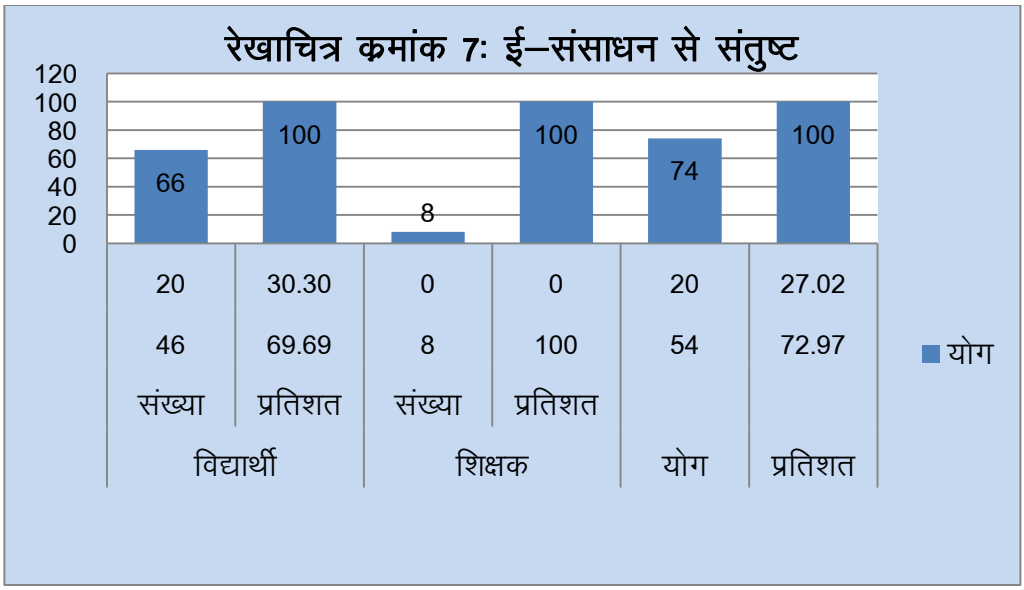

ई–संसाधन की आशा/अपेक्षा :– पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर विद्यार्थी तथा शिक्षकों के ई–संसाधन की कुल आशा/अपेक्षा को तालिका क्रमांक 8 में देखा जा सकता है :–

तालिका क्रमांक 8: ई–संसाधन की आशा/अपेक्षा

सरल क्रमांक	आशा/अपेक्षा	विद्यार्थी		शिक्षक		योग	प्रतिशत
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत		
1	ई–संसाधन	36	36	5	33.33	41	35.65
2	श्रव्य दृश्य सामग्री (सी डी/डी वी डी)	32	32	3	20	35	30.43
3	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग	31	31	6	4	37	32.17
4	अन्य	1	1	1	6.66	2	1.73
योग		**100**	**100**	**15**	**100**	**115**	**100**

उपरोक्त प्रस्तुत सांख्यिकीय तालिका क्रमांक 8 के अनुसार, ई–संसाधन से आशा/अपेक्षा विद्यार्थी में सबसे अधिक ई–संसाधन 36 (36 प्रतिशत) है तथा सबसे कम अन्य 01 (01 प्रतिशत) है, शिक्षक में सबसे अधिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग 0.6 (40 प्रतिशत) है तथा सबसे कम अन्य 01 (6.66 प्रतिशत) है।

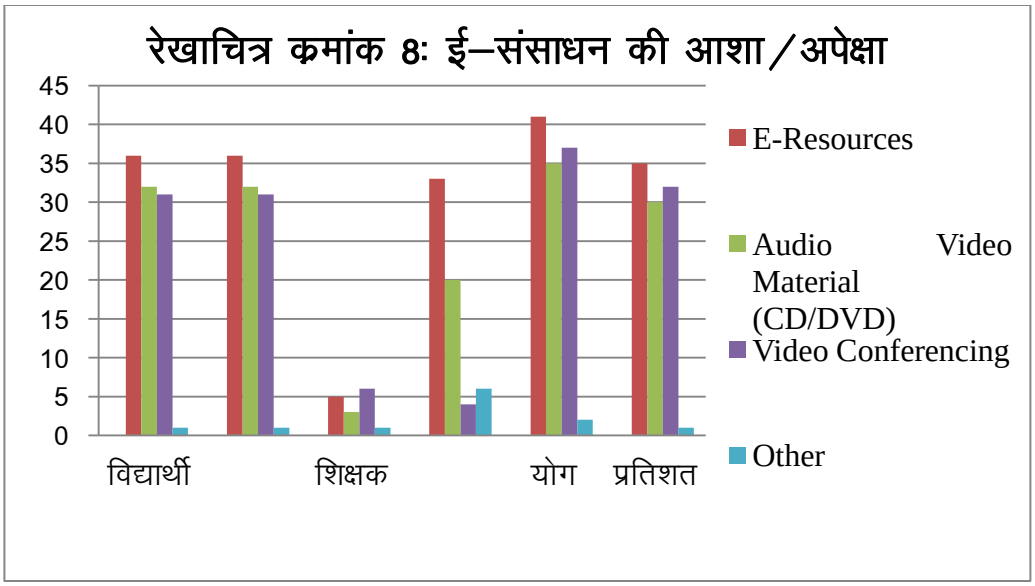

निष्कर्ष

अपने इस सर्वेक्षण में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) के केंद्रीय पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के माध्यम से डाटा एकत्रित किया गया है। जिससे नेहरू, पुस्तकालय की व्यवस्था समस्या तथा आवश्यकताओं को बारीकी से समझा है व निष्कर्ष निकाला है।

सर्वेक्षण से ज्ञात होता है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के नेहरू पुस्तकालय में उपयोगकर्ता इन्टरनेट सेवा का अधिक उपयोग करते है तथा माइक्रो फिल्म सर्विस का कम उपयोग करते है। इलेक्ट्रानिक संसाधन में ई–बुक का अधिक उपयोग करते है तथा इनके उपयोग से उपयोगकर्ताओं का उद्देश्य कम समय में अधिक सूचना का अध्ययन करना है।

पुस्तकालय के ई–संसाधन से उपयोगकर्ताओं का उद्देश्य ज्ञान का विस्तार करना है। नेहरू पुस्तकालय द्वारा प्रदान कि जा रही ई–संसाधन से अधिकांश उपयोगकर्ता संतुष्ट है तथा पुस्तकालय से ई– संसाधन, ऑडियो–वीडियों मटेरियल सी.डी./डी.वी. डी, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आदि सेवा की आशा/ अपेक्षा रखते है।

छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि विकास में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के नेहरू पुस्तकालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यहां न केवल कृषि से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, शोधार्थियों, वैज्ञानिकों एवं कृषक समाज से जुड़े संबंधित व्यक्तियों की आवश्यकतानुसार उन्हें कृषि साहित्य एवं सूचनाओं को

उपलब्ध किया जा रहा है, बल्कि विश्व स्तर के कृषि साहित्य को संरक्षित एवं व्यवस्थित कर नवीनतम् सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध किया जा रहा है, जिसका ना केवल छत्तीसगढ़ में अपितु समस्त मध्य भारत के शोध छात्र–छात्राओं, प्राध्यापकों कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं द्वारा उपयोग किया जा रहा है। यहां उपलब्ध आलेखों तथा पाठ्य–सामग्री को इलेक्ट्रानिक स्वरूप में करने एवं डाटा एन्ट्री कर आवश्यक हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर के माध्यम से, कम से कम समय में अधिक से अधिक जानकारी शीघ्रतापूर्वक उपयोगकर्ताओं को प्रदान किया जा रहा है।

देश में इंदिरा गांधी कृषि विश्विद्यालय रायपुर के नेहरू पुस्तकालय को एक विशिष्ट स्थान प्राप्त है, जो न केवल छत्तीसगढ़ वरन् सम्पूर्ण मध्य भारत के उपयोगकर्ताओं को कृषि ज्ञान का पोषण करता है, जहां न केवल कृषि साहित्य भौतिक स्वरूप में उपलब्ध है वरन् सम्पूर्ण विश्व की कृषि आधारित जानकारी इलेक्ट्रानिक स्वरूप में भी उपलब्ध है तथा नवीनतम् तकनीकी इंफारमेशन लैन, सी. डी. रोम डाटाबेस एवं आनलाईन पब्लिक एक्सेस केटलॉग आदि के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है।

नेहरू पुस्तकालय के प्रलेखन केन्द्र में 1992 से सम्पूर्ण विश्व के एग्रीकल्चरल डाटाबेस का संग्रह है जिसमें कैब, एग्रीस, एग्रीकोला प्रमुख है जहां से लाखों की संख्या में सन्दर्भ सार सहित उपयोग किसा जा सकता हैं। जो कि विश्वविद्यालय परिसर के एरिया नेटवर्क पर भी उपलब्ध है। पत्र–पत्रिका विभाग में 200 से अधिक देशी, विदेशी पत्र–पत्रिकाओं को भी नियमित रूप से भोतिक एवं ऑनलाइन दोनों स्वरूप में मंगाया जा रहा है इसके बैक वाल्यूम भी उपलब्ध है यहां पर कृषि विश्वविद्यालय के प्रकाशन, वार्षिक प्रतिवेदन भी उपलब्ध है।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) के नेहरू पुस्तकालय के उचित विकास के लिए कृषि ई–संसाधन में आवश्यकतानुसार ई–संसाधन में विशिष्ट आधुनिकीकृत सेवा में आवश्यक परिवर्तन करना विचारणीय है जिससे उपयोगकर्ताओं की आवश्यकतानुसार कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान उपलब्ध हो सके तथा देश की प्रगति के लिए शिक्षा का विस्तार करना आवश्यक है ।

अतः वित्तीय एवं ई–संसाधन के विकास के लिए तकनीकी सूचना का विकास करना आवश्यक है।

सुझाव :–

- प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति करना चाहिए।
- ई–संसाधन अद्यतन उपलब्ध किया जाना चाहिए।

- कम्प्यूटर, इंटरनेट एवं वाईफाई की सुविधा में वृद्धि करनी चाहिए।
- ई–संसाधन काउंटर का विस्तार करना चाहिए।
- ई–संसाधन संग्रहण में वृद्धि किया जाना चाहिए।
- ई–संसाधन संग्रह उच्च गुणवत्ता युक्त एवं पाठ्यक्रम पर आधारित होनी चाहिए।
- उपयोगकर्ताओं को समय पर प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
- ई–संसाधन कक्ष का विस्तार किया जाना चाहिए।
- ई–संसाधन की संख्या में वृद्धि करनी चाहिए।

उपरोक्त अध्ययन से पता चलता है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी हद तक सफल है। पुस्तकालय में इलेक्ट्रॉनिक संदर्भ स्रोतों का बहुत अच्छा संग्रह है, जिसका अर्थ यह है कि अपने उपयोगकर्ताओं को सबसे अद्यतन जानकारी प्रदान करने में सक्षम है। यद्यपि यह पाया गया है कि पुस्तकालय कंप्यूटर–आधारित और इंटरनेट–आधारित इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों से अच्छी तरह सुसज्जित है।

एक अच्छी तरह से संरचित उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए, और प्रत्येक नए उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय का अवलोकन दिया जाना चाहिए ताकि पुस्तकालय के ई–संसाधन संग्रह का उचित उपयोग हो सके, जिससे पुस्तकालय के उद्देश्यों की पूर्ति हो सकें।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. हसन एन. (2012)। राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली के अंतर्गत वेब आधारित कृषि सूचना प्रणाली एवं सेवा। डेसीडॉक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 32(1), पृ. सं. 24–30.
2. पटेल, ओम प्रकाश एवं सेनगुप्ता. (2010)। सम्पूर्ण. छत्तीसगढ़ में पुस्तकालय नेटवर्कों द्वारा सूचना संसाधनों की साझेदारी, ग्रंथालय विज्ञान पत्रिका, खण्ड 41. पृ. सं. 88–95.
3. नेहरू पुस्कालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर : युगबोध डिजिटल प्रिन्टस, 2007.
4. शर्मा, श्याम सुन्दर. (2004)। मध्यप्रदेश में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के बढ़ते कदम. आगरा : वाई. के. पब्लिशर्स. पृ.सं. 3.
5. शर्मा,बी,के, लाल,सी एवं कुमार,के. (1999)। ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान, आगरा : वाई के पब्लिसर्स. पृ.सं. 49–64, 94–95.
6. www.igau.edu.in